

86
25/2/14

167

श्री...के...
प्राची, अनुविभागीय द्वारा दिनांक 20/2/2014
को प्रस्तुत

llh

R-770-PBR/114

राजस्व निगरानी 90 क्र०

माननीय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश, ग्वालियर के समक्ष

श्रीमती सीताबाई पति हरलालसिंह ठाकुर
आयु 66 वर्ष, धन्या कृषि व गृह कार्य
निवासी ग्राम लण्डेल, तह० व जिला इन्दौर -- आवेदक

विरुद्ध

शरणसिंह पिता हरलालसिंह ठाकुर
आयु 42 वर्ष, धन्या चिकित्सक
निवासी ग्राम लण्डेल, तह० व जिला इन्दौर व
श्री हंस दवा लोना, सिहौरफाटा, नसरतलागंज -- अनावेदक

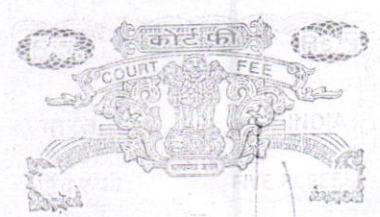
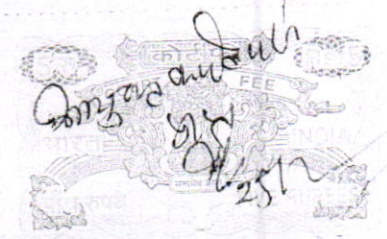
राजस्व निगरानी अन्तर्गत धारा 40 मध्य प्रदेश मूराजस्व संहिता

माननीय अपर आयुक्त, इन्दौर संभाग, इन्दौर द्वारा
राजस्व द्वितीय अपील क्रमांक 541/12-13/अन्तर्गत पारित आदेश दि० 31/07/14
जिसके द्वारा उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी, इन्दौर तथा तहसीलदार,
इन्दौर द्वारा पारित आदेश की पुष्टि करते हुये अपील सरसरी तौर
पर निरस्त की, उसी से असन्तुष्ट होकर विधि रक्म तथ्य के मिश्रित प्रश्न
पर प्रार्थना यह निगरानी याचिका निम्न तथा अन्य आधारों पर योग्य
पुष्टापत्रों पर सादर प्रस्तुत करती है -

निगरानी के आधार

(1) यह कि विद्वान अधीनस्थ न्यायालयों द्वारा पारित आलोच
आदेश विधि-विधान तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के पूर्णतः विपर्य
होने से स्थिर रहे जाने योग्य नहीं है।

(2) यह कि विद्वान अपर आयुक्त महोदय द्वारा पारित आलोच
आदेश इस महत्वपूर्ण तथ्य को दृष्टि ओझल करते हुए पारित किया गया
... के सिद्धान्तों के पूर्णतः विपर्य होने से स्थिर रहे जाने योग्य नहीं है।



Handwritten signature

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 770-PBR/14

[सी लावाई / परणित]

जिला इन्दौर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाष आदि के हस्ताक्षर
21-3-2018	<p>आवेदिका की ओर से कोई उपस्थित नहीं। यह प्रकरण वर्ष 2014 से ग्राह्यता के स्तर पर तर्क हेतु लम्बित है। ग्राह्यता के सम्बन्ध में प्रकरण का अवलोकन किया गया। अपर आयुक्त के अभिलेख का अवलोकन किया गया। आवेदिका द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 115, 116 के अन्तर्गत समय बाह्य कार्यवाही की गई है। अतः अपर आयुक्त द्वारा आवेदिका की अपील अग्राह्य कर तहसील एवं अनुविभागीय अधिकारी के आदेश स्थिर रखने में कोई अवैधानिकता अथवा अनियमितता नहीं की गई है। फलस्वरूप यह निगरानी प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है।</p>	<p>अध्यक्ष</p>